

**भावीक** पुं. (तत्.) काव्य. 1. वह अर्थालंकार जिसमें किसी बीती हुई या भविष्य में होने वाली घटना या बात का इस प्रकार वर्णन किया जाए, मानों वह वर्तमान काल में ही हो रहा हो 2. जानने वाला, मर्मज्ञ 3. भावना प्रधान 4. स्वाभाविक।

**भावुक** वि. (तत्.) 1. भावों से तुरंत प्रभावित होने वाला, विशेषतया: कोमल और करुण भावों से, संवेदनशील, सहृदय 2. सकारात्मक विचार रखने वाला 3. भावग्राही।

**भावोदय** पुं. (तत्.) ऐसा वर्णन, जिसमें एक भाव की शांति और दूसरे भाव का उदय हो, तथा इस उदय में चमत्कारिकता भी हो काव्य. एक प्रकार का अलंकार।

**भावोद्वेलन** पुं. (तत्.) भावों का उमड़ना, भावों का उठना।

**भावोन्मत्त** वि. (तत्.) जो भावों में मग्न हो गया हो या डूब गया हो, भाव मग्न, भाव-विभोर, भावविह्वल।

**भावोन्मेष** पुं. (तत्.) भावों का जागृत होना।

**भावोपेत** वि. (तत्.) भावों से भरपूर होना, भाव युक्त होना।

**भाव्य** वि. (तत्.) 1. जो होने वाला हो, भावी, होनी 2. जिसकी भावना की जा सके आयु. साध्य।

**भाषण** पुं. (तत्.) बोलना, बातचीत, वार्तालाप, लंबा व्याख्यान।

**भाषांतर** पुं. (तत्.) दूसरी भाषा में किया गया रूपांतर या अनुवाद।

**भाषा** स्त्री. (तत्.) 1. जिन ध्वनि संकेतों से भावों या विचारों को प्रकट किया जाए 2. आपसी विचार-विनिमय में प्रयोग की जाने वाली ध्वनि-सारणी या शब्दावली, बोली। language

**भाषाई** वि. (तत्.) भाषा से संबंधित, भाषा वाला जैसे- हिंदी-भाषाई, अंग्रेजी भाषाई आदि।

**भाषाई नास्तिकवाद** पुं. (तत्.) भाषा के स्थापित सिद्धांतों में अविश्वास, भाषाई सिद्धांतों पर शंका करना linguistic nihilism

**भाषाई रूप** पुं. (तत्.) भाषा से संबंधित रूप या आकृति, भाषागत बनावट। linguistic form

**भाषाबद्ध** वि. (तत्.) भाषा में व्यक्त, भाषा के माध्यम से कहा गया या लिखा गया।

**भाषा विज्ञान** पुं. (तत्.) भाषा के स्वरूप के अध्ययन करने वाला शास्त्र टि. भाषा विज्ञान में भाषाओं के विकास, वर्गीकरण, विश्लेषण, तुलनात्मक अध्ययन आदि होता है। linguistic

**भाषाविद्** पुं. (तत्.) भाषा का ज्ञाता, भाषाविज्ञ, भाषाविज्ञान का विद्वान्।

**भाषावैकल्य** पुं. (तत्.) मनो. अबाध रूप से भाषा बोल समझ सकने की क्षमता का अभाव। linguistic dysphasia

**भाषाशास्त्र** पुं. (तत्.) भाषा का विवेचन करने वाला शास्त्र, व्याकरण शास्त्र।

**भाषासम** पुं. (तत्.) रचना में शब्दों का क्रमबद्ध संयोजन, जो प्रायः सभी भाषाओं की रचना में पढ़ा जा सके।

**भाषिकी** स्त्री. (तत्.) भाषाशास्त्र का सैद्धांतिक भाषाशास्त्र।

**भाषित** वि. (तत्.) कहा गया, वचन, उक्त।

**भाषी** वि. (तत्.) बोलने वाला, दो शब्दों के समस्त पद के अंत में लगने वाला शब्द जैसे- मितभाषी, सत्यभाषी, मृदुभाषी।

**भाष्य** पुं. (तत्.) किसी ग्रंथ के सूत्र या मूल की सारगर्भित और विशेष व्याख्या जैसे- गीता पर शंकराचार्य का भाष्य, पाणिनि के अष्टाध्यायी पर पतंजलि का महाभाष्य।

**भाष्यकार** पुं. (तत्.) 1. भाष्य का लेखक या रचनाकार, पुस्तक की विस्तृत व्याख्या करने वाला 2. महाभाष्यकार पतंजलि।

**भास** पुं. (तत्.) 1. चमक-दमक 2. ज्ञान, आभास, अनुमान 3. कालिदास के पूर्ववर्ती संस्कृत के एक प्रसिद्ध नाटककार।

**भासमान** वि. (तत्.) प्रतीयमान, दृश्यमान, दिखाई पड़ता हुआ, प्रकाशित होता हुआ।